# महिला अध्ययन केन्द्र,दुवासु,मथुरा
# द्वारा
# स्वयं सहायता समूह और उसका महत्त्व हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

## प्रगति आख्या

उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान मथुरा द्वारा महिला अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत पशु चौपाल, डेयरी फार्म दुवासु में 06 जनवरी एवं ग्राम रसूलपूर, ब्लॉक–गोवर्धन, मथुरा में दिनांक 29 जनवरी 2022 को स्वयं सहायता समूह और उसका महत्त्व हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से संमन्वयक डा. रश्मि, डा. श्यामा एन प्रभु, रजनी एवं पशु चिकित्सा अधिकरी रसूलपूर डॉ प्रीति गंगवार ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डा. रश्मि ने बताया कि सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा जागरूकता का प्रसार करना हमारे दायित्वों का एक अंग है तथा महिला विकास में सरकारी योजनाओं की भूमिका महत्वपूर्ण एवं अग्रणी है । सरकार द्वारा चलायी जा रहीं योजना " **स्वयं सहायता समूह** " महिला सशक्तिकरण का एक प्रमुख माध्यम है इसी को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओ को स्वयं सहायता समूह के महत्व एंव यह समूह कैसे गठित किया जाए, समूह की महिलाये किस प्रकार बैंक से लोन ले सकती हैं आदि की जानकारी प्रदान की गयीं । इसके साथ –साथ महिला अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह के विषय के संदर्भ में फोल्डर प्रकाशित कर महिलाओं को वितरित किया गए । सरल शब्दों में कहें तो स्वयं सहायता समूह (Self Help Group) कुछ ऐसी महिलाओं का एक समूह होता है जो अपनी रहन–सहन की परिस्थितियों में सुधार करने के लिये स्वैच्छा से एक साथ आते हैं। सामान्यतः एक ही सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं का ऐसा स्वैच्छिक संगठन स्वयं सहायता समूह कहलाता है, जिसके सदस्य एक–दूसरे के सहयोग के माध्यम से अपनी साझा समस्याओं का समाधान करते हैं। स्वयं सहायता समूहों के गठन से महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है, जिससे महिलाओं के आत्मसम्मान में बढ़ोतरी हुई है । महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यो द्वारा महिलाओं को स्वाभिमान स्वावलम्बन की ओर प्रेरित करते हुए स्वयं सहायता समूह को स्वरोजगार के रूप में अपनाने तथा सकारात्मकता से इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आवह्‌न किया । इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर एवं ग्राम के अन्य व्यक्तियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

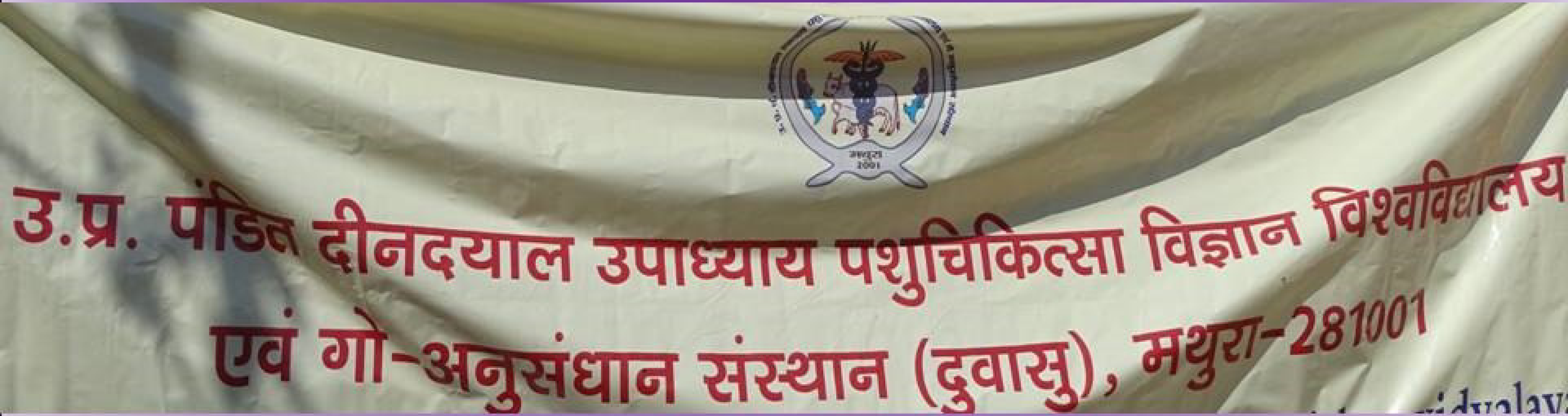
उ.प्र. पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय
एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु), मथुरा-281001

आओ बहनों
मिलायें हाथ
सफलता की ओर
बढ़े मिलकर साथ

जागरूक हम
आत्मनिर्भर हम
स्वयं सहायता समूह

स्वयं सहायता समूह के बिषय में महिलाओं को फोल्डर वितरित करते हुए

एक महीना को कोषाध्यक्ष बनाया जाता है और बाकी महिलाएं इनकी सदस्य होती है तथा ब्लॉक में जाकर अपने सहायता समूह का पंजीयन करा सकते हैं। सबसे पहले अपने सहायतासमूह का नाम रखना होता है और फिर जितने भी महिलाएं इस ग्रुप में जुड़ना चाहती हैं वे सभी महिलाएं अपने ब्लॉक के ग्राम विकास अधिकारी से अपने ग्रुप का पंजीयन करा सकती है। दूसरा अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर स्वयं सहायता समूह का पंजीकरण करा सकते हैं तथा ऑनलाइन आवेदन करके भी स्वयं सहायता समूह का पंजीकरण करा सकते हैं। अतः स्वयं सहायता समूह विचार तथा चर्चा के लिए एक सहज, सुलभ तथा सार्थक मंच  तथा तेजी से पनपते व्यक्तिवाद, बेरोजगारी, निर्धनता तथा असुरक्षा की भावना से मुक्ति दिलाने में स्वयं सहायता समूह प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त लुप्त होती कलाओं, परम्परागत ज्ञान तथा कौशल, व्यवहारिक परम्पराओं तथा तीज–त्यौहारों का संरक्षण भी स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बेहतर ढंग से हो रहा है। वस्तुतः महिलाओं के अधिकारों की स्थापना, स्वावलम्बन, स्वतंत्रता एवं समानता की प्राप्ति तथा गरिमापूर्ण जीवन की प्राप्ति में स्वयं सहायता समूह एक आन्दोलन के रुप में उभरे हैं।


लेखन एवं संपादन : डा0 रश्मि, डा0 श्यामा एन प्रभु , प्रो. संजीव कुमार सिंह, प्रो. अर्चना पाठक एंव डा0 अमित सिंह

प्रकाशक : महिला अध्ययन केन्द्र


# स्वयं सहायता समूह

## महिला सशक्तिकरण का एक प्रमुख माध्यम

**महिला अध्ययन केन्द्र**

**उ. प्र. पं दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसन्धान संस्थान (दुवासु) मथुरा (उ. प्र.)**

www.upvetuni.edu.in



दुवासु प्रकाशन सं- 245



Tel. 0565-2470199

स्वयं सहायता समूह के संदर्भ में चर्चा करते हुए

स्वयं सहायता समूह से संबंधित फोल्डर वितरण